Polity

Explanation (TEST : 06)

16 July, 2018 (06:30 pm)

1. (d) **कथन (A) :** राष्ट्रपति संसद द्वारा पारित सभी विधेयकों को पुनर्विचार के लिए वापस नहीं भेज सकता है। यह अधिकार राष्ट्रपति को सिर्फ साधारण विधेयकों के संबंध में प्राप्त है। सभी विधयकों के संबंध में नहीं। अत: कथन (A) असत्य है।

कारण (R) : राष्ट्रपति धन विधेयक को पुनर्विचार के लिए वापस नहीं भेज सकता। अत: कारण (R) सत्य है। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

2. (c) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। अत: अभीष्ट उत्तर (c) होगा।

3. (b) राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियों का न्यायिक पुनरावलोकन निम्नलिखित उपबंधों द्वारा किया जा सकता है- राष्ट्रपति का क्षमादान से संबंधित निर्णय मनमाना, अतार्किक, भेदभावपूर्ण और द्वेषमूलक हो तो न्यायालय को इसकी समीक्षा करने का अधिकार है। अत: कथन 1 असत्य है। संविधान के भाग-18 में उल्लिखित, राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ जर्मनी के संविधान से ली गई है। अत: कथन 2 सत्य है। अत: अभीष्ट उत्तर (b) होगा।

4. (d) **कथन 1 असत्य है :** संविधान में अनुच्छेद-356 द्वारा जब राष्ट्रपति का यह समाधान हो गया हो कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे उस राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता है। तब राष्ट्रपति शासन अधिरोपित किया जायेगा।

कथन 2 असत्य है : राष्ट्रपति शासन को संसदीय अनुमोदन द्वारा अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है, न कि 1 वर्ष की अवधि तक। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

5. (d) **कथन 1 असत्य है :** मूल कर्तव्य केवल नागरिकों तक ही सीमित हैं, विदेशियों पर उनकों लागू नहीं किया जा सकता है।

कथन 2 असत्य है : सर्वोच्च न्यायालय को अनुच्छेद-32 के अंतर्गत केवल मूल अधिकारों को लागू करने का निर्देश या रिट जारी करने की शक्तियाँ प्राप्त है।

अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

6.(b) संसदीय सम्प्रभुता, भारतीय संविधान में संशोधन की प्रक्रिया का आधार है। अत: अभीष्ट उत्तर (b) होगा।

7. (a) कथन 1 सही है, किन्तु कथन 2 असत्य है। क्योंकि जब राष्ट्रपति की मृत्यु, त्याग-पत्र या पद से हटाए जाने के कारण उसके पद को भरने के लिए चुनाव होता है, तो इसकी अवधि 6 माह से अधिक नहीं होनी चाहिए। अत: अभीष्ट उत्तर (a) होगा।

8. (c) कथन 2 सत्य है, जबकि कथन 1 और 3 असत्य है, क्योंकि-

1. अनुच्छेद-358 के अनुसार यदि युद्ध या बाह्य आक्रमण के कारण राष्ट्रीय आपात की घोषणा होती है, तो अनुच्छेद-19 स्वत: निलम्बित हो जाता है।
2. 44वें संविधान संशोधन 1978 के तहत अनुच्छेद-20 और 21 निलम्बित नहीं होंगे।

अत: अभीष्ट उत्तर (c) होगा।

9. (c) सही सुमेलित है-

(व्यक्ति)	**(कथन)**
A. डॉ. अम्बेडकर	नीति निदेशक तत्व आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए जरूरी है।
B. के.एम. पणिक्कर	नीति निदेशक तत्व आर्थिक क्षेत्र में समाजवाद लाने के लिए जरूरी है।
C. ग्रेनविल ऑस्टिन	नीति निदेशक तत्व सामाजिक क्रांति लाने में सहायक होंगे।
D. के.टी. शाह	नीति निदेशक तत्व एक ऐसे चैक की भांति है, जिसका भुगतान बैंक की इच्छा पर निर्भर करता है।

10. (d) कथन 1, 2 और 3 सत्य हैं, जबकि कथन 4 असत्य है, क्योंकि नीति निदेशक तत्व अप्रवर्तनीय है। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

11. (c) कथन 2, 3 और 4 सत्य हैं, जबकि कथन 1 असत्य है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद-53(1) के अनुसार, संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी और वह इसका प्रयोग संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करेगा। अत: अभीष्ट उत्तर (c) होगा।

12. (a) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं, जबकि कथन 3 और कथन 4 असत्य हैं, क्योंकि ये दोनों कथन राष्ट्रपति की प्रशासनिक शक्तियां ना होकर यह विधायी शक्तियां हैं। अत: अभीष्ट उत्तर (a) होगा।

13. (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है एवं (R), (A) की सही व्याख्या करता है। अत: अभीष्ट उत्तर (a) होगा।

14. (b) संविधान के अनुच्छेद-66(1) के तहत् उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचक गण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। अत: अभीष्ट उत्तर (b) होगा।

15. (a) कथन 2 और 3 सत्य हैं, जबकि कथन 1 असत्य है। क्योंकि भारतीय संविधान में राष्ट्रपति शासन अनुच्छेद-356 में उल्लेखित है। अत: अभीष्ट उत्तर (a) होगा।

16.(d) दिए गए सभी कथन सत्य है। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा

17. (b) सुमेलित हैं-

- निरपेक्ष वीटो – जिसे समाप्त करना संभव न हो
- विशेषित वीटो – जिसे विशेष बहुमत से समाप्त किया जा सकता है।
- निलम्बनकारी वीटो – जिसे साधारण बहुमत से समाप्त किया जा सके।
- जेबी/पॉकेट वीटो – जब राष्ट्रपति किसी विधेयक पर निर्णय लेने में विलम्ब करके इसे व्यवहार में लागू होने से रोक देता है।

18. (b) राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित नहीं करता। अत: अभीष्ट उत्तर (b) होगा।

19. (d) राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियों के संदर्भ में उपरोक्त सभी कथन सही नहीं है। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा-

- इसका प्रयोग मंत्रिपरिषद और व्यवहार में गृहमंत्री की सलाह पर किया जाता है।
- राष्ट्रपति अपने निर्णय का कारण बताने के लिए बाध्य नहीं है।
- राष्ट्रपति की क्षमादान की शक्ति का न्यायिक पुन. रावलोकन नहीं हो सकता, लेकिन यदि राष्ट्रपति का निर्णय मनमाना, अतार्किक, भेदभावपूर्ण और द्वेषमूलक है, तो न्यायालय इस पर विचार कर सकता है।

अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

20. (a) उपराष्ट्रपति के पदच्युत करने संबंधी प्रस्ताव का राज्यसभा द्वारा संकल्प पारित कर पूर्ण बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है (अर्थात् सदन के कुल सदस्यों का बहुमत) और इसे लोकसभा की सहमति आवश्यक है। अत: अभीष्ट उत्तर (a) होगा।

21. (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। अत: अभीष्ट उत्तर (c) होगा।

22. (a) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं, जबकि कथन 3 और 4 असत्य हैं। प्रधानमंत्री, मंत्रियों की सलाह मानने के लिए बाध्य नहीं है और न ही वह मंत्रियों के दैनिक कार्य में परामर्श देता है। जहां जब तक वह पद पर रहता है, तब तक मंत्रिपरिषद् का भी अस्तित्व होता है। अत: अभीष्ट उत्तर (a) होगा।

23. (d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं। अनुच्छेद 74 प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद की व्यवस्था करता है। मंत्री केवल कार्यपालिका के सदस्य होते हैं, जिसे संसद के सदस्य बने बिना भी मंत्री बना जा सकता है, बशर्ते उसे 6 माह के अन्दर दोनों में से सदन की सदस्यता लेना अनिवार्य है। अत: अभीष्ट उत्तर (d) होगा।

24. (b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। अत: अभीष्ट उत्तर (b) होगा।

25. (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। अत: अभीष्ट उत्तर (c) होगा।

* * *

GS World
Committed To Excellence

ANSWER KEY
Polity, 16 July 2018

1.	(c)	2.	(a)	3.	(b)	4.	(d)	5.	(c)	6.	(a)	7.	(a)	8.	(b)	9.	(c)	10.	(b)
11.	(b)	12.	(d)	13.	(d)	14.	(c)	15.	(c)	16.	(b)	17.	(c)	18.	(b)	19.	(b)	20.	(d)
21.	(c)	22.	(a)	23.	(d)	24.	(c)	25.	(a)										